


प्राचार्य सुहास साळुंखे  
लाल बहादूर शास्त्री कॉलेज,  
सातारा।

## संस्तुति


मैं संस्तुति करता हूँ कि काशी जाकिर ईकबाल द्वारा लिखित  
“सांप्रदायिकता के संदर्भ में ‘जिंदा मुहावरे’ का मूल्यांकन” लघु शोध-प्रबंध परीक्षणार्थ  
अग्रेषित किया जाए।

स्थान : सातारा।

तिथि : 37/09/2008

  
**DR. B. D. SAGARE**  
M.A., M.P.H.I., Ph.D.  
Research Guide  
Deptt. of Hindi  
L.B.S. College, SATARA



  
(प्राचार्य, सुहास साळुंखे)  
प्राचार्य  
लाल बहादूर शास्त्री महाविद्यालय,  
सातारा.

डॉ. सरदार मुजावर

एम. ए., एम फिल, पीएच. डी., डी. लिट (हिंदी)  
प्रपाठक एवं अध्यक्ष, हिंदी विभाग,  
किसनवीर महाविद्यालय, वाई  
सातारा (महाराष्ट्र)


## प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री. जाकिर ईकबाल काझी ने शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम. फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए "सांप्रदायिकता के संदर्भ में 'जिंदा मुहावरे' का मूल्यांकन" लघु शोध-प्रबंध मेरे निर्देशन में सफलतापूर्वक पूरे परिश्रम के साथ लिखा है। यह उनकी मौलिक रचना है। पूर्व योजना के अनुसार संपन्न इस शोध कार्य में शोध-छात्र ने मेरे सुझावों का पूर्णतः पालन किया है। जो तथ्य इस लघु शोध-प्रबंध में प्रस्तुत किए हैं, मेरी जानकारी के अनुसार सही हैं। यह रचना इससे पहले शिवाजी विश्वविद्यालय या अन्य किसी विश्वविद्यालय की किसी भी उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है। प्रस्तुत शोध कार्य के बारे में मैं पूरी तरह संतुष्ट होकर ही इसे परीक्षणार्थ प्रस्तुत करने की अनुमति प्रदान करता हूँ।

स्थान : सातारा।

तिथि : 30.1.09

शोध-निर्देशक

  
( डॉ. सरदार मुजावर )

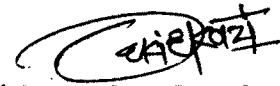
# प्रख्यापन

मैं प्रख्यापित करता हूँ कि “सांप्रदायिकता के संदर्भ में ‘जिंदा मुहावरे’ का मुल्यांकन” लघु शोध-प्रबंध मेरी मौलिक रचना है, जो शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम्.फिल. (हिंदी) उपाधि के लिए प्रस्तुत की जा रही है। यह रचना इससे पहले शिवाजी विश्वविद्यालय या अन्य किसी भी विश्वविद्यालय की उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है।

स्थान : सातारा।

तिथि : 39/09/2009

शोध-छात्र



(श्री. काज़ी जाकिर ईकबाल)